सत्य का प्रयोग विज्ञान एवं ज्ञान दोनों में किया जाता है लेकिन सत्य को जानने के लिए अलग-अलग खोज प्रमाण और अनुभव के लिए विज्ञान मानव के पास बुद्धि वह खोज कर सकता है। सत्य को प्राप्त करने की कुछ मान्यताएं हैं जो निम्न हैं।

(I) यह इन्द्रियानुभूति पर आधारित सत्य है, यह सत्य की प्रारंभिक कड़ी है। हम जो देखते हैं सुनते हैं उसे बिना तोड़ मोड़ कर उसी रूप में प्रस्तुत करें यानि सत्य लोगों विचार और वचन में एकता है। इसमें व्यक्ति तनिक लोभ मात्र भी अपनी सोच को शामिल नहीं करें। इसमें तथ्य और अभिव्यक्ति में समानता एवं सामंजस्य रहता है। जैसे इन्द्रियानुभूति के साथ पूर्ण सामंजस्य रहता जो सत्य है।

(II) सत्य सदैव अनुभव का सापेक्ष है अगर अनुभव नहीं होगा तो सत्य का मूल्य नहीं है जब हम कोई तथ्य की जानकारी प्राप्त करते हैं तब उसे लोगों का कौन लोग मान लेते हैं उसके बाद इसकी सत्यता की जाँच करते हैं। तब हम उस तथ्य को स्वीकार करते हैं।

ROBINSONS
ON THE MOVE

खोज करता है मानव जब आंतरिक अनुभूति प्राप्त करता है तब वह सत्य को भौतिक होता है सत्य को भी प्रमाणित करना पड़ता है।

सत्य मनुष्य का आंतरिक जीवन जिससे संबंध रखता है। विज्ञान भी सत्य है परन्तु इसका संबंध बाह्य जगत से है मनुष्य आज भी सत्य की खोज में लगा है वह सत्य जानना चाहता है क्योंकि उसकी वह प्रकृति स्वयं ईश्वर से उद्भूत है, जो सत्य है सत्य शाश्वत है लेकिन कभी कभी हमें सत्य का भ्रम भी होता है अंधेरा में रस्सी का भ्रम होना अतः यह भ्रम सत्य नहीं है सत्य प्राणी पर समान रूप से लागू होता है सत्य सदैव अकाट्य है कि उदाहरण द्वारा हम समझ सकते हैं कि जब भी किसी व्यक्ति की मृत्यु होती है तब उसकी अर्थी उठती है लोग राम नाम सत्य कहते हैं। क्योंकि यही सत्य है कि जो मनुष्य जन्म लेगा वह मरेगा भी अतः मनुष्य नाशवान है।

AIR IMPORTS & EXPORTS

Hand-C

ROBINSONS

ON THE MOVE

सत्य क्या है? What is Truth

सत्य एक गूढ़ शब्द है यह अपरिभाषित अनिर्वचनीय अतार्किक है इसका दो स्वरूप है (i) वैज्ञानिक सत्य (ii) आध्यात्मिक सत्य। सत्य नित्य है लेकिन काल स्थान के बंधन में नहीं बंधता है यह सभी देश काल, वस्तुओं के एक समान यानि अपरिवर्तनशील होता है। यह मन पर आधारित नहीं होता और न ही इन्द्रियजन्य ज्ञान पर आधारित है यह प्रमाणिक ज्ञान है ज्ञान सत्य तक पहुंचने का मार्ग है ज्ञान के द्वारा ही सत्य एवं असत्य की तुलना करते हैं और अंत में सत्य तक पहुंचते हैं। ज्ञान में निश्चितता होती है लेकिन सत्य किसी के लिए सही तो किसी के लिए गलत हो सकता है।

विज्ञान का संबंध सापेक्षिक सत्यों से है। अध्यात्म का भी अन्तिम लक्ष्य सत्य ही है विज्ञान अपने इन्द्रियों द्वारा प्राप्त अनुभव को तर्क वितर्क से परिभाषित करता एवं प्रत्येक तथ्यों को कार्य-कारण संबंध से संख्यात्मक तथ्यों के आधार पर ज्ञान प्राप्त करता है दर्शन अपनी सूक्ष्म दृष्टि से अपनी अंतर्बोध से सत्य की

AIR IMPORTS & EXPORTS | OCEAN IMPORTS & EXPORTS | CONSOLIDATION SERVICES | CUSTOMS CLEARANCE | DRY & TEMP CONTROLLED WAREHOUSING | DRY & TEMP CONTROLLED TRANSPORTATION

Scanned with CamScanner